

---

# Durgaprasada Ashtakam

---

## दुर्गाप्रसादाष्टकम्

---

### Document Information



---

Text title : durgAprasAdAShTakam

File name : durgAprasAdAShTakam.itx

Category : devii, aShTaka, durgA, devI

Location : doc\_devii

Author : Durgaprasad DvivedI

Transliterated by : Kamini Viswanathan

Proofread by : Kamini Viswanathan, Lalitha Mallikarjunan

Latest update : December 11, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 6, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



दुर्गाप्रसादाष्टकम्



वन्दे निर्बाधकरूणामरूणां शरणावनीम् ।  
कामपूर्णजकाराद्यश्रीपीठान्तर्निवासिनीम् ॥ १ ॥  
प्रसिद्धां परमेशानीं नानातनुषु जाग्रतीम् ।  
अद्वयानन्दसन्दोहमालिनीं श्रेयसे श्रये ॥ २ ॥  
जाग्रत्स्वप्नसुषुप्त्यादौ प्रतिव्यक्ति विलक्षणाम् ।  
सेवे सैरिभसम्मर्दरक्षणेषु कृतक्षणाम् ॥ ३ ॥  
तत्तत्कालसमुद्भूतरामकृष्णादिसेविताम् ।  
एकधा दशधा कापि बहुधा शक्तिमाश्रये ॥ ४ ॥  
स्तवीमि परमेशानीं महेश्वरकुटुम्बिनीम् ।  
सुदक्षिणामन्नपूर्णां लम्बोदरपयस्विनीम् ॥ ५ ॥  
मेधा-साम्राज्यदीक्षादिवीक्षारोहस्वरूपिकाम् ।  
तामालम्बे शिवालम्बां प्रसादरूपिकाम् ॥ ६ ॥  
अवामा वामभागेषु दक्षिणेष्वपि दक्षिणा ।  
अद्वयापि द्वयाकारा हृदयाम्भोजगावतात् ॥ ७ ॥  
मन्त्र भावनया दीप्तामवर्णां वर्णरूपिणीम् ।  
परं कन्दलिकां ध्यायन् प्रसादमधिगच्छति ॥ ८ ॥  
इति श्रीदुर्गाप्रसादद्विवेदीविरचितं दुर्गाप्रसादाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded by Kamini Viswanathan

Proofread by Kamini Viswanathan, Lalitha Mallikarjunan

---

*Durgaprasada Ashtakam*

pdf was typeset on February 6, 2021

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

